

---

Sutaprokta Shivanamamahima

—  
—  
सूतप्रोक्ता शिवनाममहिमा  
—  
—

Document Information



---

Text title : Sutaprokta Shivanamamahima

File name : sUtaproktAshivanAmamahimA.itx

Category : shiva, shivarahasya

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shrIshivarahasyam | ugrAkhyah saptamAMshaH | adhyAyaH 1 | 21-30||

Latest update : March 8, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 8, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



## सूतप्रोक्ता शिवनाममहिमा



महेशनामामृतदिव्यधारापरिप्लुताङ्गो द्रवमध्यगोऽपि ।  
न शोकमाप्नोति नरो यतोऽहं संरक्षितो वह्निगतः शिवेन ॥ २१ ॥

यतो विभूतिकवचाः शिवनामास्त्रपाणयः ।  
चत्वार एव यामीयैश्चक्रुर्युद्धं पुरा मुदा ॥ २२ ॥

ब्रह्महत्यासहस्राणि पुरा कृत्वापि पुलकसः ।  
शिवेति नाम विमलं श्रुत्वा मोक्षं गतः पुरा ॥ २३ ॥

एतेऽपि प्रमथाः शुद्धाः शिवनामामृताशनाः ।  
इन्द्राद्यर्चितपादाब्जाः वसन्ति शिवसन्निधौ ॥ २४ ॥

शिवनामैव संसारमहारोगैकशामकम् ।  
नान्यत्संसाररोगस्य शामकं दृश्यते मया ॥ २५ ॥

शिव शङ्कर रुद्रेति महादेवेति यन्मया ।  
पूर्वमुच्चरितं युद्धे जयस्तेनाभवन्मम ॥ २६ ॥

शङ्करेश महेशेति नाम दिव्यं महावने ।  
पुरा श्रुतं पिशाचेन ततस्तस्मात्स मोचितः ॥ २७ ॥

समस्तवेदवेदान्तसारभूतं शिवप्रदम् ।  
शिवनामामृतं दिव्यं पेयं सर्वार्थसाधकम् ॥ २८ ॥

ये सन्ततं शङ्करमादरेण  
मनःसरोजासनसन्निविष्टम् ।  
ध्यायन्ति शम्भुं (शम्भोः) स्मरणानुरक्ताः (ध्यायन्ति शम्भुस्मरणानुरक्ता)  
त एव धन्याः शिवसम्मताश्च ॥ २९ ॥

शिवनामामृताप्लुष्टरसनाः शिवपूजकाः ।  
शिवध्यानरता नित्यं सन्ति धन्याः क्वचित्क्वचित् ॥ ३० ॥


॥ इति शिवरहस्यान्तर्गते सूतप्रोक्ता शिवनाममहिमा सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरहस्यम् । उग्राख्यः सप्तमांशः । अध्यायः १ । २१-३० ॥


- .. shrIshivarahasyam . ugrAkhyah saptamAMshaH . adhyAyaH 1 . 21-30..

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Sutaprokta Shivanamamahima*

pdf was typeset on March 8, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

